DIGI PAGE

हरित क्रांति

भारत में हरित क्रांति की शुरूआत

- पंजाब को अपनी ऐतिहासिक कृषि सफलता और विश्वसनीय जल आपूर्ति के कारण भारत सरकार द्वारा नई फसलों के प्रयोग के लिए प्रथम स्थान के रूप में चुना गया।

डॉ एम.एस. स्वामीनाथन की भूमिका

- वह एक भारतीय आनुवंशिकीविद् और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थापक है, जो भारत के हरित क्रांति कार्यक्रम में अपनी अग्रणी भूमिका के लिए प्रसिद्ध है, जिसके अंतर्गत गेहूं और चावल के पौध की उन्नत उपज किस्मों को गरीब किसानों के खेतों में लगाया गया।
- स्वामीनाथन को **"भारतीय हरित क्रांति के जनक"** के रूप में जाना जाता है, जिनके नेतृत्व में भारत में गेहूं की उन्नत उपज किस्मों को शुरू किया गया और आगे विकसित करने में सफलता प्राप्त की गयी।

शब्द "हरित क्रांति" का सर्वप्रथम प्रयोग 1968 में यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के पूर्व निदेशक विलियम गौड़ द्वारा किया गया था।

नॉर्मन बोरलॉग, जिन्होंने 1970 में नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया था, को **"हरित क्रांति के जनक"** के रूप में भी जाना जाता है।